नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

स्थापित २००५ ई.

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416

मो. : 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : ..... दिनांक : 22.05.2016

प्रकाशनार्थ – सप्त दिवसीय कार्यशाला द्वितीय दिवस

शिक्षा सामाजिक परिवर्तन एवं राष्ट्र–निर्माण की आधारशिला है। विद्यार्थी भावी राष्ट्र एवं समाज होता है। माता–पिता, परिवार, समाज सहित शिक्षण संस्थाएं भावि पीढ़ी का निर्माण करती है। तथापि शिक्षक और शिक्षण संस्थाएं भावी राष्ट्र–समाज निर्माण का प्रमुख घटक है। शिक्षक–शिक्षा को आज इस महत्वपूर्ण दृष्टि से गुणवत्तामुक्त एवं जवाबदेह बनाना होगा। शिक्षक अपने विद्यार्थियों के समूह को निरन्तर समग्रतर से समझे, उनके अनुसार अध्यापन विधि विकसित करे और समाज को परिणाम दे। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज जंगल धूषण गोरखपुर में **'योगिराज बाबा गम्भीरनाथ पुण्यतिथि शताब्दी वर्ष'** के अन्तर्गत बी0एड विभाग द्वारा आयोजित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति सप्त दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर **डॉ. राजेश कुमार सिंह** ने कही। डॉ. राजेश कुमार सिंह आज **'विद्यार्थियों की विविध समस्याओं की समझ और अध्यापन'** विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत कर रहे थे।

डॉ. राजेश सिंह ने कार्यशाला में मानसिक, शारीरिक, सामाजिक, संवेगात्मक स्तर पर कक्षा में विद्यार्थियों की विविधता और उससे उत्पन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके समाधान की ओर प्रतिभगियों को प्रेरित किया। संवाद एवं समूह परिचर्चा के द्वारा प्रतिभागियों के द्वारा इस विषय पर एक मार्गदर्शन–पत्र तैयार किया गया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में योग एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला के अन्तिम सत्र में सूक्ष्म शिक्षण के विविध पक्षों पर प्रतिभागियों ने अपनी–अपनी पाठ्य–योजना प्रस्तुत की। कार्यशला में प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, श्रीमति शिप्रा सिंह, श्रीमति पूजा पाण्डेय, सुश्री अंजलि, श्री भूपेन्द्र कुमार गुप्ता, सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्री गोविन्द वर्मा ने भी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

(प्रकाश प्रियदर्शी)

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी